अनुक्रमणिका

भूमिका

अध्याय-1 प्रेमचंद और गुलज़ार के जीवन और कला क्षेत्र का परिचय **1-14**

1.1 प्रेमचंद का जीवन और कला क्षेत्र

1.2 गुलज़ार का जीवन और कला क्षेत्र

अध्याय-2 साहित्य, सिनेमा और समाज **15-49**

2.1 साहित्य आधारित सिनेमा का इतिहास और आज

2.2 कथा और पटकथा का अंतर्संबंध

2.3 कथा और सिनेमा की समस्याएँ

2.4 साहित्य और सिनेमा का कलात्मक पक्ष और प्रस्तुति

अध्याय-3 कहानी और फिल्म की निर्माण – प्रक्रिया और रचनात्मकता सन्दर्भ **50-84**

3.1 कहानी और फिल्म का तात्विक विश्लेषण

3.2 कथा और फिल्म की निर्माण प्रक्रिया

3.3 रूपांतरण, रचनात्मक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव

3.4 तीन कहानियाँ (सवा सेर गेहूँ, ठाकुर का कुआँ और कफ़न) का विस्तृत चिंतन और उसका रूपांतरण का प्रभाव

अध्याय- 4 प्रेमचंद की तीन कहानियाँ और गुलज़ार का 'तहरीर' धारावाहिक का तुलनात्मक अध्ययन (सवा सेर गेहूँ, ठाकुर का कुआँ और कफ़न) **85-111**

4.1 कहानी और फिल्म के शिल्पगत अंतर

4.2 मनोवैज्ञानिक प्रभाव का अंतर

अध्याय-5 साहित्य से सिनेमा रूपांतरण तक की समस्याएँ **112-119**

5.1 पूर्व प्रस्तुति की समस्याएँ

5.2. फिल्मांकन में मूलकथा को बचाने की समस्या

5.3. वैश्वीकरण व दर्शकों की मांग का दबाव

5.4. रूपांतरित विधा का प्रभाव

5.5. बदलते यथार्थ का पटकथा और फिल्मांकन पर प्रभाव

उपसंहार **120-125**

सहायक ग्रन्थ सूची **126-129**